रानीगंज में कोयला खानों में दरारें

3827.**श्री एस.एस.अहलुवालियाः** क्या कोयला मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि अत्यधिक कोयला खनन के कारण रानीगंज कोयला क्षेत्र में स्थिति कोयला खानों और उनके आस-पास के क्षेत्रों में बड़ी-बड़ी दरारें पड़ गई हैं जिसके परिणामस्वरुप खानों और आवासों को खतरा उत्पन्न हो गया है और जो वर्षो के मौसम में और भी गंभीर रूप ले सकता है।

(ग) सरकार इस संबंध में क्या कार्यवाही करने का विचार रखती है ?

कोयला मंत्रालय की राज्य मंत्री (श्रीमती कान्ति सिंह) : (क) से (ग) खनन क्रियाकलापों के कारण हुआ धंसाव दो श्रेणियों के अंतर्गत,अर्थात ''योजनागत'' तथा ''गैर योजनागत'' आता है । योजनागत धंसाव केविंग पद्धति द्वारा कोयले के निकासी किए जाने के कारण होता है। भूमि जिस पर कि योजनागत धंसाव होता है, और इसे खनन क्रियाकलापों को शुरू किए जाने से पूर्व किसी तरह की सतही निर्माण रहित कर दिया जाता है । खनन क्रियादलापों द्वारा प्रभावित सतही भूमि पर बाद में डोज़िग तथा समतल करके सुधार किया जाता है।

गैर-योजनागत धंसाव की समस्या रानीगंज कोयला क्षेत्र में विद्यमान हैं, जोकि विगत में अवैज्ञानिक रूप से उत्खनन किए जाने के कारण हैं।

पुरानी भूमिगत खानों में छोड़े गए लघु स्तभों के कमजोर पड़ जाने/गिर जाने के कारण रानीगंज कोयला क्षेत्र के कुछ क्षेत्रों में गैर-योजनागत धंसाव हो गया है । इस तरह की भू-गत क्रियाकलापों को सुदृढीकृत किए जाने हेतु कोई स्थापित प्रौद्योगिकी न होने की स्थिति में रानीगंज कोयला क्षेत्र के पांच स्थलों मे सुदृढीकृत किए जाने हेतु हाइड्रोन्यूमेटिक रेत भराई की एक नवीनतम प्रौद्योगिकी का प्रयोग किया जा रहा है।

भारत सरकार द्वारा सचिव, कोयला मंत्रालय की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया गया है, जोकि झारिया तथा रानीगंज कोयला क्षेत्रों में धंसाव तथा आगों से संबंधित समस्याओं की जांच करेगी, और यह समिति विस्तृत रूप में समस्याओं से निपटने हेतु उपयुक्त उपायों की सिफारिश करेगी। इस समिति ने इस संबंध में विचार-विमर्श शुरू कर दिया है ।

Performance of Neyveli Lignite Corporation

3828. DR. D. VENKATESHWAR RAO: Will the Minister of COAL be pleased to state:

(a) the performance of Neyveli Lignite Corporation in the exploitation of lignite deposits and generation of power in 1996-97; and

(b) the power supplied to Andhra Pradesh from the Neyveli thermal power stations?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COAL (SHRIMATI KANTI SINGH): (a) During 1996-97, lignite production in Neyveli Lignite Corporation Ltd. (NLC) was 173.54 lakh tonnes. During the same period, NLC generated thermal power to the extent of 12704.57 million units from its two thermal power stations. In respect of both items, NLC exceeded its targets. Power generation and lignite production in 1996-97 were the highest ever in the history of NLC.

(b) Power exported to Andhra Pradesh from Neyveli Thermal Power II was 2534.859 million units in 1996-97.

Irregularities committed by private companies in coal sector

3829. SHRI PARAG CHALIHA: Will the Minister of COAL be pleased to state:

(a) whether Government are aware that coalfields were nationalised on account of the callous floting of basic safety and environmental standard by private companies; and

(b) if so, the steps proposed to be taken to ensure that in future private companies may not resort ot the above practice?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COAL (SHRIMATI KANTI SINGH): (a) Yes, Sir. This was one of the reasons for nationalisation of coal mines.

(b) Before grant of the lease the applicant has to get a mining plan prepared by a person recognised by the Central Government and has to obtain the approval of the Central Government on the mining plan under the Mines & Minerals (Regulation & Development) Act, 1957 and Mineral Concessions Rules, 1960. Further the applicant has to obtain forest and environmental clearance